उत्तराखण्ड राज्य भूवैज्ञानिक कार्यक्रयी मण्डल (एस0जी0पी0बी0) की दिनांक 31.01.2020 को आहुत बैठक का कार्यवृत्त

उत्तराखण्ड राज्य भूवैज्ञानिक कार्यक्रयी मण्डल (एस0जी0पी0बी0) की बैठक दिनांक 31.01.2020 को श्री ओमप्रकाश, अपर मुख्य सचिव, महोदय उत्तराखण्ड शासन की अध्यक्षता में की गयी।

बैठक में निम्नलिखित अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गयाः–

1. श्री डॉ0 जय गोपाल घोष, उपमहानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, देहरादून।
2. डॉ0 मेहरबान सिंह बिष्ट, निदेशक/अपर सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून
3. श्री एस0एल0 पैट्रिक, अपर निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून।
4. श्री अनिल कुमार, संयुक्त निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून।
5. श्री सुनील पंवार, संयुक्त निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून।
6. डॉ0 मृदुल श्रीवास्तव, अधीक्षण भूवैज्ञानिक (Superintending Geologist), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, देहरादून।
7. श्री लोकेश शर्मा, निदेशक, सिडकुल, 29 आई0टी0पार्क, देहरादून।
8. डॉ0 राकेश शर्मा, वैज्ञानिक जी0, वाडिया इन्स्टीट्यूट ऑफ हिमालयन ज्योलोजी, देहरादून।
9. श्री सी0एस0वी0 सांडिल्य, समूह महाप्रबन्धक, अन्वेषण एवं विकास निदेशालय, ओ0एन0जी0सी0, देहरादून।
10. डॉ0 आर0एस0 चटर्जी, हेड जियोसाईंसेज डिपार्टमेन्ट, IIRS -4 कालीदास रोड, देहरादून।
11. इंजीनियर जी.सी.आर्य, अधीक्षण अभियन्ता/वरिष्ठ स्टॉफ अधिकारी, मुख्य अभियन्ता कार्यालय, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
12. श्री योगेश शर्मा, महाप्रबन्धक, एम0ई0सी0एल0, दिल्ली।
13. श्री पी0के0 शर्मा, साईंटिफिक ऑफिसर/हेड इंचार्ज, शिवालिक, आई0एन0बी0, ऐटोमिक मिनरल डिवीजन/ ए0ई0, आर0के0 पुरम WB-7 नई दिल्ली।
14. श्री दिनेश कुमार, उपनिदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून।
15. श्री भूपाल राम, रसायनज्ञ, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून।
16. श्री एच0के0 कटियार, अधिशासी अभियन्ता, परियोजना खण्ड, सिंचाई विभाग देहरादून।
17. श्री शेर सिंह, डिवीजनल लौंगिक अधिकारी, उत्तराखण्ड वन विकास निगम, देहरादून।
18. श्री बी0एस0दानू, प्रभारी खनन, गढवाल मण्डल विकास निगम, देहरादून।
19. डॉ0 वसीम अहमद, क्षेत्रीय निदेशक, सी0जी0डब्ल्यू0बी0 419/A बल्लीवाला चौक, निकट ऊर्जा भवन, देहरादून।
20. श्री रवि कल्याण बुस्सा, वैज्ञानिक–सी0, वरिष्ठ हाईड्रोलोजिस्ट, सी0जी0डब्ल्यू0बी0 419/A बल्लीवाला चौक, निकट ऊर्जा भवन, देहरादून।
21. कु0 चन्दरेयी दी, वैज्ञानिक–बी0, वरिष्ठ हाईड्रोलोजिस्ट, सी0जी0डब्ल्यू0बी0 419/A बल्लीवाला चौक, निकट ऊर्जा भवन, देहरादून।
22. श्रीमती रश्मि प्रधान, सहायक भूवैज्ञानिक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून।

बैठक के प्रारम्भ में निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के द्वारा एस0जी0पी0बी0 के अध्यक्ष अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन एवं उपाध्यक्ष डॉ0 जय गोपाल घोष, उपमहानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, देहरादून एवं आमन्त्री सदस्यों का स्वागत किया गया तत्पश्चात् संयुक्त निदेशक, भूविज्ञान द्वारा विगत वर्ष सम्पन्न हुई एस0जी0पी0बी0 के ATR एवं वर्ष 2019–20 हेतु प्रस्तावित एजेण्डा बिन्दुओं पर प्रस्तुतीकरण दिया गया।

वर्ष 2020–21 हेतु प्रस्तावित ऐजेण्डा बिन्दुओं में एजेण्डा बिन्दु संख्या 01 के उपबिन्दु 03 सम्मिलित थे, जो कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, देहरादून द्वारा दिये गये। एजेण्डा बिन्दु संख्या 02 से 10 तक भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड द्वारा प्रस्तावित किये गये।

ऐजेण्डा बिन्दु संख्या 01:– भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण एजेन्डा बिन्दुः–

01 (1):– ***Geological Survey of India is carrying out G-2 stage investigations for limestone in Pabhen village of tehsil Gangolihat, Pithoragarh district. Drilling operation is facing quite problem of water availability in the area in absence of any borewell in the Pabhen village. Some borewell may be made in the Pabhen village in order to facilitate the drilling operations.***

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त क्षेत्र में पानी की उपलब्धता न होने के कारण ड्रिलिंग कार्य बाधित हो रहा है। राज्य सरकार से उक्त क्षेत्र में ड्रिलिंग के लिये पानी की आपूर्ति हेतु Borewell लगाये जाने का अनुरोध किया गया जिस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देश दिये गये कि सम्बन्धित Agency को एक पत्र शासन की तरफ से प्रेषित किया जाये।

01 (2):– ***Geological Survey of India had carried out Geotechnical investigations for Maneri-Bhali Hydroelectric Project, District Uttarkashi. The service charges for the period 2005-2008 amounting Rs. 95 lacs (approx.) are to be paid to GSI. The issue is pending for longtime. Necessary action is required for early payment of Service charges from UJVNL/ irrigation Department, Govt. of Uttarakhand.***

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा अवगत कराया गया कि मनेरी–भाली प्रोजेक्ट उत्तरकाशी, उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम लिमिटेड हेतु वर्ष 2005 से 2008 में किये गये भूगर्भीय अध्ययन सम्बन्धी कार्यों के सापेक्ष रू0 95.00 लाख की धनराशी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को अदा की जानी है, जिसका अभी तक निराकरण/भुगतान नहीं हो पाया है। अध्यक्ष महोदय द्वारा प्रकरण का संज्ञान लेते हुये निर्देश दिये गये कि उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम (UJVNL) को तद्नुसार प्रकरण पर कार्यवाही किये जाने हेतु शासन से पत्र प्रेषित किया जाये।

01 (3):– ***Geological Survey of India is declared as the Nodal Agency for investigation of Landslide by Govt. of India. It is suggested that all the reports pertaining to study/ investigation of major landslides in the state may be referred to GSI for vetting of the geological data and remedial measures recommended, if any.***

उक्त प्रकरण का अध्यक्ष महोदय द्वारा संज्ञान लेते हुये लोक निर्माण विभाग के प्रतिनिधि को राज्य की वर्तमान में संचालित परियोजनाओं के Land slide Prone areas को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के संज्ञान में लाते हुये तथा नये प्रस्तावित योजनाओं के शुरू होने से पूर्व Land slide Prone areas को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से साझा किये जाने तथा भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में नये निर्माण कार्यों के शुरू होने से पूर्व भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से सम्पर्क कर सुझाव/मार्गदर्शन लिये जाने हेतु आदेशित किया गया। चार धाम मार्ग में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा Landslide Prone Area के चिन्हीकरण तथा Remedial Measures हेतु एक High Power Committee के गठन तथा उक्त में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को शामिल किये जाने हेतु अध्यक्ष महोदय द्वारा विभागाध्यक्ष लोक निर्माण विभाग को पत्र द्वारा सूचित किये जाने के निर्देश दिये गये।

ऐजेण्डा बिन्दु संख्या 02:– ***भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का प्रस्तुतीकरण (PPT 20 मिनट) ।***

डॉ0 मृदुल श्रीवास्तव, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में किये जा रहे भूवैज्ञानिक कार्यों एवं वर्ष 2020–2021 हेतु प्रस्तावित कार्यों का प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया गया। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा National Geochemical Mapping हेतु 62 Elements के चिन्हिकरण से अवगत कराया गया। वर्तमान में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा G2 लेवल के दो Programme (1.) अस्कोट क्षेत्र में Mineralization Zone Extension (2.) गंगोलीहाट Limestone Deposit पर किये जा रहे कार्यों से अवगत कराया गया।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा वर्तमान वर्ष में Bhatwari से Kunja तथा तपोवन से व्यासी एवं आगामी वर्ष में व्यासी से गौचर के मध्य Mesoscale Landslide Mapping किये जाने तथा Rishikesh Badrinath Highway पर ऋषिकेश से गौचर (चारधाम यात्रा मार्ग) की Mesoscale Landslide Susceptibility Map के मार्च 2020 तक पूर्ण किये जाने की सम्भावना व्यक्त की गयी। उक्त के अतिरिक्त भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा Landslide Early Warning System तथा नैनीताल में Slope Stablity Studies, किये जाने से अवगत कराया गया।

निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म उत्तराखण्ड द्वारा दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं All Weather Road तथा Railway line के Final Alignment क्षेत्रों में भू–स्खलन क्षेत्रों से सम्बन्धित सुझाव दिये जाने के सम्बन्ध में प्रेक्षा की गयी जिस पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा उक्त कार्यों में सम्मिलित न किये जाने पर अवगत कराया गया।

Hydroelectric Project के अन्तर्गत Water Resource Development, Water Conservation, Drinking Water availability तथा Civil Engineering में Geological mapping and Kinematic Analysis के भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा किये गये विभिन्न कार्यों से अवगत कराया गया।

ऐजेण्डा बिन्दु संख्या 03:– ***ओ0एन0जी0सी0 का प्रस्तुतीकरण (PPT 10 मिनट) ।***

ONGC द्वारा PPT में ONGC के इतिहास Technical Walk R&D कार्यों आदि से अवगत कराया गया। Hydrocarban के अन्वेषण हेतु Gravity Seismic आदि विभिन्न Methods से अवगत कराते हुए ONGC प्रतिनिधि द्वारा National Seismic Program के अन्तर्गत सभी Sedimentary Bases Data Collection तथा Re-analysis किये जाने की परियोजना से अवगत कराया गया।

रूद्रप्रयाग के 2-D Seismic Line तथा ब्लैक Shale Investigation के सम्बन्ध में वर्तमान Projects की जानकारी दी गयी। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा ब्लैक Shale हेतु 02 Projects किये जाने तथा उनके द्वारा Samples को ONGC द्वारा Organic Components की जांच हेतु उपलब्ध कराये जाने तथा अन्य अन्वेषण कार्यों में सहायोग का प्रस्ताव रखा गया, जिसे ONGC द्वारा सहर्ष स्वीकार किया गया।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा Metamorphic Terrain में Hydrocarbon की सम्भावना पर प्रश्न किया गया जिस पर ONGC द्वारा Metamorphic Terrain में तेल के स्थान पर gaseous Hydrocarbon की सम्भावना व्यक्त की गयी। WIHG प्रतिनिधि द्वारा अल्मोडा में Metamorphosed Shales के सैम्पल में Graphite Occurrences के साथ Methane के पाये जाने से अवगत कराया गया।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा विभाग के G-4 लेवल के अन्वेषण कार्यों में सहयोग प्रदान किये जाने तथा सैम्पल analysis के Basis पर कार्य को Detailed/उच्च लेवल के अन्वेषण कार्य में सम्मिलित किये जाने का आश्वासन दिया गया। Minor Minerals के G-4 कार्यों हेतु NMET से वित्तीय सहायता/सहयोग की संभावना जिसे राज्य सरकार/विभाग की Funding से G-4 लेवल के अन्वेषण कार्यों को कराये जाने का सुझाव दिया गया।

<u>ऐजेण्डा बिन्दु संख्या 04:–</u> ***तत्कालीन राज्य उत्तर प्रदेश के कार्यकाल में वर्ष 1992 से 1997 के मध्य भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा जनपद देहरादून, तहसील चकराता के सुनेरखेडा क्षेत्र के अन्तर्गत घेन्सूरखेडा ब्लॉक में चूनापत्थर खनिज का विस्तृत अन्वेषण कार्य किया गया है। अन्य ब्लॉक में चूना पत्थर हेतु अन्वेषण कार्य किया जाना है। पूर्ववर्ती राज्य के भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तर प्रदेश द्वारा पूर्व में किये गये चूना पत्थर खनिज अन्वेषण की आख्या भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को उपलब्ध करायी गयी है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग, देहरादून तथा भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून द्वारा उक्त क्षेत्र का क्षेत्रीय भ्रमण कर लिया गया है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से घेन्सूरखेडा के निकट अन्य ब्लॉकों में चूना पत्थर के खनिज अन्वेषण संबंधी कार्यक्रम को सम्मिलित किये जाने का अनुरोध है।***

घेन्सूरखेड़ा ब्लॉक के संयुक्त निरीक्षण करवाये जाने हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के प्रस्ताव पर डॉ0 जय गोपाल घोष, उपमहानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा अवगत कराया गया कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा लिस्ट पर जी03 एवं जी02 लेवल Investigation पर कार्य किया जाता है। जी0–04 लेवल के निरीक्षण/सैम्पल Collection का कार्य भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई द्वारा किया जाना अपेक्षित है जिस हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई को समय–समय पर समाधान Help/Guidance भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा उपलब्ध करायी जायेगी। घेन्सूरखेड़ा के सैम्पलस की Chemical Analysis के Basis पर अपेक्षित सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने पर अग्रिम Detailed सर्वेक्षण हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण एवं भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई द्वारा संयुक्त रूप से कार्य की कार्यवाही की जायेगी। अन्यथा की स्थिति में उक्त कार्यक्रम NMET/MECL के सहयोग से किये जाने पर भी विचार किया जा सकता है।

<u>ऐजेण्डा बिन्दु संख्या 05:–</u> ***भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा वर्ष 1989–1997 में जनपद देहरादून के सटंगधार के अन्तर्गत सिलिका सैण्ड बैंड को अन्वेषित किया गया है। उक्त ब़ैड के अतिरिक्त अन्य दो ब्लॉक पुरोला–घमनधार***

एवं माल्या का डांडा–चतराधार, जनपद उत्तरकाशी में वन भूमि से पृथक राज्य सरकार व निजी नाप भूमि के अन्तर्गत सिलिका सैंड का अन्वेषण किया जाना प्रस्तावित है।

जनपद उत्तरकाशी के सिलिका सैन्ड क्षेत्र विस्तृत अन्वेषण हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा अवगत कराया गया है कि पूर्व में उक्त क्षेत्र में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा अन्वेषण कार्य किया गया था। उक्त क्षेत्र के सिलिका सैन्ड अन्वेषण हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा यह भी अवगत कराया गया है कि सिलिका सैन्ड उपखनिज की श्रेणी के अन्तर्गत घोषित हो जाने के फलस्वरूप इसे शुरू किया जाना सम्भव नहीं है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा इस हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म, उत्तराखण्ड को तकनीकी सहयोग दिया जा सकता है। एम0ई0सी0एल0 से भी उक्त क्षेत्र में State Funding से कार्य करवाये जाने पर विचार किया जा सकता है।

निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई द्वारा अवगत कराया गया कि मानवशक्ति रखे जाने के उपरान्त एम0ई0सी0एल0/भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से तकनीकी सहायता लेकर कार्य किये जाने का सुझाव दिया गया।

अध्यक्ष महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि उक्त क्षेत्र में सिलिका सैन्ड हेतु विस्तृत अन्वेषण राज्य सरकार स्वयं करे या Parellel में एम0ई0सी0एल0 को सम्मिलित किये जाने की कार्यवाही की जाये अन्यथा EOI के साथ–साथ M.SC Geology तथा Civil Engineering / Polytechnic / University Students एवं Professional को सम्मिलित करते हुये Mineral Blocks के चिन्हीकरण एवं सर्वेक्षण की कार्यवाही की जाय।

<u>ऐजेण्डा बिन्दु संख्या 06:–</u> *भूतत्व एवं खनिकर्म द्वारा जनपद में निजी नाप भूमि व वन भूमि से भिन्न राज्य सरकार की भूमि में सोपस्टोन खनिज की उपलब्धता के क्षेत्रों का चिन्हीकरण किये जाने हेतु प्रारम्भिक स्तर का भूगर्भीय अन्वेषण कार्य किया जाना प्रस्तावित है।*

उक्त क्षेत्र में कार्य मानवशक्ति, एवं State Funding, से बिन्दु संख्या 05 के अनुसार कार्यवाही किये जाने पर सहमति व्यक्त की गयी।

<u>ऐजेण्डा बिन्दु संख्या 07:–</u> *भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा जनपद उत्तरकाशी के आपदाग्रस्त ग्रामों की भूवैज्ञानिक निरीक्षण आख्या में किये गये उल्लेख के क्रम में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से ग्राम भटवाडी तथा ग्राम अस्थल के टेरेन की मकेनिकल प्रोपर्टीज का आंकलन किया जाना प्रस्तावित है।*

उक्त के सम्बन्ध में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा अवगत कराया गया कि Mechanical Properties हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा सर्वे कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उक्त कार्य की अन्तिम आख्या सितम्बर, 2020 तक पूर्ण होने पर प्रेषित कर दी जायेगी, परन्तु विभाग को उक्त पर Technical Studies हेतु आख्या पहले देने पर सहमति व्यक्त की गयी।

<u>ऐजेण्डा बिन्दु संख्या 08:–</u> *भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का भूगर्भीय सर्वेक्षण तथा आपदाग्रस्त ग्रामों के विस्थापन एव पुनर्वास स्थलों का भूगर्भीय अन्वेषण कार्य सम्पन्न किया जा रहा है। भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड द्वारा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के*

साथ संयुक्त रूप से कतिपय आपदाग्रस्त ग्रामों का निरीक्षण किया जाना प्रस्तावित है तथा जिनकी सूची उपलब्ध करा दी जायेगी।

संयुक्त निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई द्वारा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को अवगत कराया गया कि विभाग द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के आपदा प्रभावित क्षेत्रों/ग्रामों का भूगर्भीय निरीक्षण कार्य करवाया जा रहा है जिसमें भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से कतिपय क्षेत्रों में Technical Support का आग्रह किया गया। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा अवगत कराया गया कि Landslide Vulnerable Areas of Dehradun District पर कार्य इस वर्ष हेतु लिया गया है जिसके क्रम में आपदा सम्भावित क्षेत्रें Highly Vulnerable Villages को चिन्हित कर विभाग को सूचित किया जायेगा।

निदेशक महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि DMMC द्वारा आपदा Landslide प्रभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई को Detailed Study हेतु Project Assign किया जाता है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा अवगत कराया गया कि Caradian Support Satellite Data का उपयोग कर Landslide के Prediction/Early warning हेतु कार्यक्षमता Develop किया जा रहा है। जिसका उपयोग Rudraprayag Landslide की स्टडी में किया जायेगा।

भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई द्वारा चिन्हित किये गये Landslide Vulnerable क्षेत्रों के analysis हेतु विभाग द्वारा listed priorities के आधार पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा उक्त क्षेत्रों की Detailed Study पर सहमति व्यक्त की गयी।

<u>ऐजेण्डा बिन्दु संख्या 09:–</u> *राज्य के अन्तर्गत विकास सम्बन्धी विभिन्न निर्माण कार्य किये जाने हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई द्वारा प्रस्तावित क्षेत्रों का भूअभियांत्रिकी निरीक्षण किये जा रहें है। उक्त कार्य पूर्ववत किया जायेगा।*

उक्त पर सहमति व्यक्त की गयी।

<u>ऐजेण्डा बिन्दु संख्या 10:–</u> *अन्य विचारणीय बिन्दु।*

राज्य में Scheelite हेतु प्रस्तावित अन्वेषण क्रम में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा वांछित Report के सम्बन्ध में भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड द्वारा 03 आख्यायें उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा Landslide आदि कार्यों हेतु सर्वेक्षक न मिल पाने पर कार्यों के समयान्तर्गत निस्तारण न हो पाने तथा राज्य के द्वारा Survey Rates/Survey उपलब्ध कराये जाने की मांग की गयी।

अध्यक्ष महोदय द्वारा संयुक्त निदेशक, तकनीकी शिक्षा से Polytechnic Surveying Students तथा Passed-out Students से Survey करने हेतु गर्मीयों/सर्दियों की छुट्टियों में उपलब्धता से अवगत कराये जाने तथा Survey Rate के निर्धारण हेतु आदेश दिये गये। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा गंगोलीहाट क्षेत्रान्तर्गत लाइमस्टोन हेतु G2 लेवल के खनिज अनवेषण कार्य के अन्तर्गत भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई द्वारा पूर्व में कराये

गये बोरहोल्स लॉग उपलब्धता के सम्बन्ध में की गयी प्रेक्षा के क्रम में श्री भूपालराम, रसायनज्ञ द्वारा गंगोलीहाट क्षेत्र में बोरहोल की रासायनिक विश्लेषण आख्या विभाग में उपलब्धता से अवगत कराया गया।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा वलियानाला पर गठित High Power Committee (HPC) में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को सदस्य के स्थान पर आमन्त्री सदस्य नामित किये जाने से हेतु अनुरोध किया गया। उक्त पर अध्यक्ष, महोदय द्वारा High Power Committee में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को सदस्य के रूप में सम्मिलित किये जाने हेतु सहमति व्यक्त की गई तथा इस सम्बन्ध में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को अवगत कराया गया कि सचिव, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड से अनुरोध कर लिया जाय।

MECL द्वारा पूर्व में Tri-Partite Agreement के स्थान पर में Bi-Partite Agreement प्रेषित किये जाने की जानकारी देते हुये अन्वेषण कार्यों हेतु बजट की व्यवस्था NMET अथवा राज्य सरकार से होने पर MECL द्वारा सहयोग दिये जाने का प्रस्ताव रखा गया।

अमत्यारगाढ ब्लॉक (बेसमैटल) में पूर्व में किये गये अन्वेषण कार्यो में आशाजनक परिणाम नहीं आये थे परन्तु वर्तमान परिस्थिति में नये तकनीकी कार्यप्रणाली का प्रयोग करते हुये उक्त खनिज ब्लॉक को आगामी वर्षों में पुनः निरीक्षण हेतु लिये जाने से अवगत कराया गया।

निदेशक महोदय द्वारा Area Accessibility, economically viability तथा पर्यावरणीय मानकों को ध्यान में रखते हुये निजी राजस्व क्षेत्र को चिन्हित करते हुये प्राथमिकता के आधार पर सर्वे हेतु लिये जाने का सुझाव दिया गया। श्री सुनील पंवार, संयुक्त निदेशक, खनन द्वारा प्रस्ताव भेजने हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से सहयोग की अपेक्षा की गयी जिस पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा सहयोग प्रदान किये जाने का आश्वासन दिया गया।

निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई उत्तराखण्ड द्वारा दिये गये धन्यवाद सम्बोधन के साथ बैठक का समापन हुआ।